Editor :

Prof. Sunita Jain

GST
Opportunities And Challenges
वस्तु एवं सेवा कर संभावनाए एवं चुनौतियाँ

Editor :

Prof. Sunita Jain

Co-Editor :

Prof. Neeraj Topkhane

SVN PUBLISHING HOUSE
Book Version-978-81-929700-2-8

CONTENTS

1. जी.एस.टी. : कितना लाभकर
   – डॉ. शोभा जैन
   – डॉ. अशोक गर्ग
2. भारतीय अर्थव्यवस्था में जी.एस.टी. की उपयोगिता एवं प्रभाव 6
   – डॉ. सुनीता जैन
   – डॉ. गिरीश मोहन दुबे
3. जीएसटी – भारतीय अर्थव्यवस्था में एक आर्थिक सुधार
   – डॉ. श्रीमती शक्ति जैन
4. जी.एस.टी. की अवधारणा एवं विशेषताएं 26
   – डॉ. बिन्दु श्रीवास्तव
5. भारत में वित्तीय क्षेत्र में नवाचार एवं उसके प्रभाव (जी.एस.टी. के विर्शेष संदर्भ में) 33
   – डॉ. सविता जैन
6. राजस्व वृद्धि का रामबाण उपाय जी.एस.टी.
   – डॉ. असलम खॉन
7. वस्तु एवं सेवा कर (जी.एस.टी.): प्रभाव (विश्लेषात्मक अध्ययन)
   – डॉ. डी. एन. नामदेव
   – डॉ. अमित कुमार तिवारी
8. जीएसटी : एक सकारात्मक बदलाव 49
   – डॉ. खुदैजा परवीन अंसारी
9. भारतीय अर्थव्यवस्था के परिदृश्य में वस्तु एवं सेवा कर 56
   – डॉ. वीरेन्द्र सिंह मटसेनियां
   – डॉ. हरिनारायण विश्वकर्मा
10. भारतीय बीमा क्षेत्र में जीएसटी का प्रभाव 63
    – अनुराधा चौरसिया
11. संगठित क्षेत्र की उद्यमी महिलाओं पर जीएसटी का प्रभाव 72
    – कु. सुजाता परी अहिरवार
12. GST: One Nation & One Tax
    - Prof. Dr. Narendra Kumar Thapak
    - Mr. Nishant Dubey
13. Basic Concepts And Features Of Goods And Services Tax In India (GST) 85
    - Dr. Harsh Singh
14. Goods and Services Tax in India 92
    - Dr. Rupali Saini

CONTENTS

1. जी.एस.टी. : कितना लाभकर
   – डॉ. शोभा जैन
   – डॉ. अशोक गर्ग
2. भारतीय अर्थव्यवस्था में जी.एस.टी. की उपयोगिता एवं प्रभाव 6
   – डॉ. सुनीता जैन
   – डॉ. गिरीश मोहन दुबे
3. जीएसटी – भारतीय अर्थव्यवस्था में एक आर्थिक सुधार
   – डॉ. श्रीमती शक्ति जैन
4. जी.एस.टी. की अवधारणा एवं विशेषताएं 26
   – डॉ. बिन्दु श्रीवास्तव
5. भारत में वित्तीय क्षेत्र में नवाचार एवं उसके प्रभाव (जी.एस.टी. के विशेष संदर्भ में) 33
   – डॉ. सविता जैन
6. राजस्व वृद्धि का रामबाण उपाय जी.एस.टी.
   – डॉ. असलम खॉन
7. वस्तु एवं सेवा कर (जी.एस.टी.): प्रभाव (विश्लेषात्मक अध्ययन)
   – डॉ. डी. एन. नामदेव
   – डॉ. अमित कुमार तिवारी
8. जीएसटी : एक सकारात्मक बदलाव 49
   – डॉ. खुदैजा परवीन अंसारी
9. भारतीय अर्थव्यवस्था के परिदृश्य में वस्तु एवं सेवा कर 56
   – डॉ. वीरेन्द्र सिंह मटसेनियां
   – डॉ. हरिनारायण विश्वकर्मा
10. भारतीय बीमा क्षेत्र में जीएसटी का प्रभाव 63
    – अनुराधा चौरसिया
11. संगठित क्षेत्र की उद्यमी महिलाओं पर जीएसटी का प्रभाव 72
    – कु. सुजाता परी अहिरवार
12. GST: One Nation & One Tax 77
    - Prof. Dr. Narendra Kumar Thapak
    - Mr. Nishant Dubey
13. Basic Concepts And Features Of Goods And Services Tax In India (GST) 85
    - Dr. Harsh Singh
14. Goods and Services Tax in India 92
    - Dr. Rupali Saini

भारतीय अर्थव्यवस्था में जी एस टी की उपयोगिता एवं प्रभाव

डॉ. सुनीता जैन *
डॉ. गिरीश मोहन दुबे **

प्रस्तावना

वस्तु एवं सेवा कर जी एस टी भारत में 1 जुलाई 2017 से लागू एक महत्वपूर्ण अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था है इसे सरकार व कई अर्थशास्त्रियों ने स्वतंत्रता के पश्चात् सबसे बड़ा आर्थिक सुधार बताया है। इसके अंतर्गत केन्द्र एवम् विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा भिन्न भिन्न दरों पर लगाए जा रहे विभिन्न करों को हटाकर पूरे देश के लिए एक ही अप्रत्यक्ष कर प्रणाली लागू की गई, जिससे भारत को "एकीकृत साझा बाजार" बनाने में मदद मिलेगी। भारतीय संविधान में इस कर व्यवस्था को लागू करने के लिए संशोधन किया गया है। 1 जुलाई 2017 से पूर्व किसी भी सामान पर केंद्र एवं राज्य सरकार के द्वारा कई तरह के अलग–अलग कर लगते थे लेकिन जीएसटी लागू होने से, सभी तरह के सामानों पर एक जैसा ही कर लगाया जा रहा है। 1 जुलाई 2017 से पूर्व में किसी भी सामान पर 30 से 35 प्रतिशत कर देना पड़ता था, कुछ चीजो पर तो अप्रत्यक्ष रूप से लगाया जाने वाला कर 50 प्रतिशत से ज्यादा होता था लेकिन जीएसटी आने के बाद यह कर 28 प्रतिशत हो गया है जिसमें कोई भी अप्रत्यक्ष कर नहीं होगा। जीएसटी भारत की अर्थव्यवस्था को "एक देश एक कर" (One Nation one Tax) वाली अर्थव्यवस्था बना दिया है। जी एस टी के पूर्व भारतवासियों को 17 अलग–अलग तरह के कर चुकाने पड़ते थे जबकि जीएसटी लागू होने के बाद केवल एक ही तरह का कर दिया जा रहा है। इसके लागू होते ही एक्साइज ड्यूटी, सर्विस टैक्स, वैट, मनोरंजन कर, लग्जरी कर जैसे बहुत सारे कर खत्म हो गये है। जिनके संदर्भ में स्पष्ट विवरण तालिका क्रमांक 1 में स्पष्ट किया गया है:–

ISBN - 978-81-929700-2-8